केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में संविधान दिवस का आयोजन।

आज केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम संस्थान के कार्यवाहक निदेशक डा0 डी. एस. बुन्देला ने मुख्य अतिथि विपिन कुमारी, सह–प्राध्यापिका, राजकीय महिला महाविद्यालय, करनाल का स्वागत किया तथा संस्थान की गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होनें कहा संविधान हमें अधिकार व कर्तव्य दोनों देता है। हमें दोनों का साथ–2 पालन करना चाहिए।

मुख्य अतिथि श्रीमती विपिन कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि यह धरती संतो व महापुरूषों की धरती है। आज ऐतिहासिक दिन है क्योकि आज के दिन 26 नवम्बर 1949 को संविधान बनकर तैयार हो गया था और इसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। संविधान की प्रस्तावना में तीन मुख्य बिन्दु हैं, पहला, यह भारत के लोगों द्वारा बनाया गया है दूसरा, यह भारत की शासन व्यवस्था का स्वरूप बताता है। तीसरा, इसका उददेश्य भारत में न्याय, समानता एवं अखंडता कायम करना है। आजादी से पहले भारत में 500 से ज्यादा रियासतें थी जिनको एकत्र किया गया व एक देश भारत के स्वरूप में परिवर्तित किया गया। भारतीय संविधान लचीला है इसमें समय–2 पर जरूरतों अनुसार परिवर्तन किए जा सकते हैं। जनता व जन प्रतिनिधियों का यह कर्तव्य है कि वे संविधान के नियमों का बडी जिम्मेदारी एवं ईमानदारी से पालन करें।

कार्यक्रम के संयोजक डा0 अश्वनी कुमार ने बताया कि गत समय के दौरान विभिन्न गांवों के विद्यालयों में बच्चों को संविधान की प्रस्तावना, अधिकार व कर्तव्यों के विषय में जागरूक किया गया। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री अलोक कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।